फाल्गुन कृष्ण एक षष्ठी विक्रम संवत 2081
लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित
बुधवार, 19 फरवरी 2025
वर्ष 6, अंक 90, पृष्ठ 14
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार
बरेली
एक सम्पूर्ण अखबार

PAGE NO:06 BOTTOM

देश का विभाजन नहीं हुआ, बल्कि बांट दिए गए दिल

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी और एसआरएमएस रिद्धिमा के संयुक्त तत्वावधान में जिले में पहली बार संभागीय नाटक समारोह रिद्धिमा आडिटोरियम में मंगलवार से शुरू हुआ।

पहले दिन नाटक मसीहा का मंचन किया गया। नाटक में वर्ष 1947 के भारत विभाजन पर शरणार्थियों की सामाजिक एवं मानसिक मनोदशा को उठाया गया। नाटक की शुरुआत भारत पाकिस्तान सरहद पर भारत में एक शरणार्थी शिविर से होती है। सभी निर्वासित शरणार्थी बिछड़ गए अपने प्रियजनों, परिवार के सदस्यों का इंतजार करते हैं। सरहद के दोनों तरफ दोनों मुल्क के सिपाही तैनात हैं,

● रिद्धिमा में सागर सरहदी लिखित नाटक मसीहा में उठाई गई विभाजन की त्रासदी

जो विभाजन से पहले एक ही गांव में रहते थे। मास्टर संतराम भी पाकिस्तान से आया एक शरणार्थी है, जो रोज अपनी बहन का इंतजार करता है। इन्हीं हालातों का मारा एक किरदार गुमनाम भी है, जो खौफनाक मंजरों को भूलने के लिए नशे में डूबा रहता है। इसके बाद भारत का विभाजन और दोनों मुल्कों के बीच सरहद की लकीर खिंच जाती है। लेखक एवं कहानीकार सागर सरहदी लिखित, अनुपम बिसारिया निर्देशित और कन्सर्ड थिएटर लखनऊ की ओर से प्रस्तुत नाटक में गौतम राय ने भारतीय और नीरज दीक्षित ने पाकिस्तानी सिपाही की भूमिका निभाई। अश्वनी मक्खन, योगेश शुक्ला, अनुपम बिसरिया और अनीता वर्मा ने अभिनय किया। प्रकाश की देवाशीष मिश्रा, संगीत की अभिषेक यादव, मुख सज्जा की अंशिका क्रिएशन, वेशभूषा की प्रणव त्रिपाठी ने जिम्मेदारी निभाई। मंच निर्माण समीर और आदर्श का रहा। एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति, संगीत नाटक अकादमी के ड्रामा डायरेक्टर शैलजा कांत, आशा मूर्ति, उषा गुप्ता, सुभाष मेहरा, डॉ. प्रभाकर गुप्ता, डॉ. अनुज कुमार, डॉ. शैलेन्द्र सक्सेना, डॉ. रीटा शर्मा मौजूद रहे।